सी.एम.राईज विद्यालय

पेज नं. 8

शा. उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बागली

त्रैमासिक/अर्द्धवार्षिक/प्री–बोर्ड/वार्षिक/पूरक परीक्षा सन् 2024

प्राप्तांकों का विवरण

प्रश्न क्र.	प्राप्तांक	प्रश्न क्र.	प्राप्तांक	प्रश्न क्र.	प्राप्तांक
01		11		21	
02		12		22	
03		13		23	
04		14		24	
05		15		25	
06		16		26	
07		17		27	
08		18		28	
09		19		29	
10		20		30	
योग		योग		योग	

कुल प्राप्तांक		कुल पूर्णांक	

प्राप्तांक शब्दों में

प्रश्नपत्र कोड नं.	
सेट नं.	

रोल नं. अंकों में

रोल नं. शब्दों में

कक्षा 11वी (Bio) विभाग

विषय स्वच्छता अभियान

दिनांक 2/11/24 वार शनिवार

मुस्कान भगत भार्गव

पूरक उ.पू. की संख्या	

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर एवं नाम

द्वितीय

मूल्यांकनकर्ता के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी के निर्देश :-

1. उत्तर पुस्तिका के दोनों पृष्ठों पर लिखें और गलत प्रश्नों पर क्रॉस का चिन्ह अंकित करें।
2. उत्तर पुस्तिका का कोई पृष्ठ नहीं फाड़ें। 3. प्रत्येक प्रश्न को नये पृष्ठ से आरंभ करें।
4. परीक्षा में नकल करना दण्डनीय अपराध है। 5. पर्यवेक्षक उत्तर पुस्तिका सौंपे बिना परीक्षा भवन नहीं छोड़े
6. परीक्षा भवन में परीक्षक के निर्देशों का पालन अनिवार्य है। 7. अपने उत्तर स्पष्ट और स्वच्छ अक्षरों में लिखें।

नाम - मुस्कान मगन भार्गव
कक्षा - 11th (Bio)

द्वितीय

दिनांक : 9/11/..
शनिवार

"स्वच्छता अभियान कुड़े का प्रबन्धन"

रूपरेखा :-
1) प्रस्तवना
2) स्वच्छता का महत्व
3) अस्वच्छता की हानियाँ
4) उपसंहार

1) प्रस्तावना :- स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा आरम्भ किया गया है। स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य नालियों, सड़कों, अधोसंचालन को साफ सुथरा रखना है। और कुड़े कचरे को डस्टबीन में फेकना है। इसे 2 अक्टुम्बर 2014 को राष्ट्रपीता महात्मागांधी जी ने आरम्भ किया था। स्वच्छता का यह सपना उनका पुरा नही हुआ। फिर भी उन्होने अपने आस-पास के लोगो को स्वच्छता के प्रति या उससे सम्बन्धित शिक्षा प्रदान कर ~~कर~~ राष्ट्र को एक उत्कृष्ठ सन्देश दिया है। स्वच्छता हमारे जीवन मे बहुत महत्वपुर्ण है। जो एक अच्छी आदत है। जीवन मे स्वच्छता ~~स्व~~ बनाए रखनें एक अच्छी आदत अपने ह्रदय के साथ साथ समाजो को भी स्वच्छ बनाने की मदद

करते है। स्वच्छता प्रत्येक नागरिक का प्रथम कर्तव्य है। जो स्वच्छता प्रत्ये नागरिकि दिनचर्या व अवश्य ही शामिल हो शमिल करना है।

"स्वच्छता है बड़ा अभियान
आप भी दे अपना योगदान"

2) स्वच्छता का महत्व ⇒ स्वच्छताबनाए रखना व्यक्ति की कारस्टरेड और सामुदायि शौचालयों का निर्माण करके उसे खुलवाने से शौच की समस्या को कम या समाप्त करते है। स्वच्छता बनाए रखना नागरिक की प्रथम कर्तव्य है। सरकार ने स्वच्छता अभियान पर बहुत निर्देशांक दिए है। यह 2 अक्टूबर 2019 (को भारत सरकार ने) को महात्मा गांधी जी के जन्म के 150 वी वर्ष गांठ भारत ओडीएफ हासिल करना ही एक लक्ष्य है। लाख करोड़ शौचालय का निर्माण तथा 1.96 करोड़ सोचालय का निर्माण हुआ है। 1.2

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अभियान आरम्भ हुआ

नारा - एक कदम स्वच्छता की ओर
देश - भारत
प्रधानमंत्री - नरेन्द्र मोदी
आरम्भ - 2 अक्टूबर 2014 10 वर्ष तक

"गांधी जी का यही नारा
स्वच्छ है पुरा देश हमारा"

अ स्वच्छता से हानियाँ ⇒ जिस स्थानो पर लोग रहते है वहा पर कुड़ा कचरा फैला रहता है। नालियों का गंदा पानी सड़ी पिड़ी वस्तुए आदी पडे रहते है। उस के कारण वह पर लोगो को वहाँ से गुजरने का वहाँ से गुजरना भी मुस्कील होजाता है।

वह उस स्थान से बहुत बदबु आती है। और वहा पर मच्छर भी बहुत पनप रहे होते है।

जिसके कारण वहा के लोग अनेक प्रकार से संक्रिमित होते और उनहे अनेक प्रकार की बिमारियाँ होती है।

जब मनुष्य कुद की ही स्वच्छ नही रहेगा और अपने आस पास स्वच्छता नही बनाऐ रखेगा तो वह किसी भी कोई भी बिमारी के जकड़ मे आ सकता है। स्वच्छता अपनी जिन्दगी है, स्वच्छता बनाऐ रखना अपना कर्तव्य है। भारत देश के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है, कि वह अपनी स्वच्छता करना ना भुले। स्वच्छता ही अपना आधार है। स्वच्छता नही तो गंदीगी फैलेगी और हम बिमार होंगे। इसलिए है स्वच्छता बनाए रखना है।

"स्वच्छता ही सेवा है,
गंदगी जान लेवा है।"

4) उपसंहार => ~~स्वच्छता क पुरे अ~~ स्वच्छता करना ~~छ~~ सरकार का ही नही बल्की या अपितु पुरे भारत के देश वासिय नागरिको का कर्तव्य है, की वह अपने समाजो को अपने गाँवो को स्वच्छ वा रखने के लिए प्रेरित करे। भारत सरकार ने एक नियम प्रतिपादित किया था जो " स्वच्छ भारत विसर्जन मिशन अभियान के अन्तर्गत लोगो को स्वच्छता की ओर प्रेरित करना है। स्वच्छ रहना एक अच्छी आदत है। जो जीवन की गुणवत्ता को बढ़ती है। जीवन मे स्वच्छता का तात्पर्य स्वस्थय मे अवस्था से भी है। और हमारे लिए शरीर की स्वच्छता बहुत जरूरी है। जैसे - रोज नहाना, प्रतिदिन दांतो की साफ सफाई करना, स्वच्छ कपड़े पहनना आदि। जिससे हमे बिमारी होने की आशंका कम होती है, पिछले कुछ समय पहले कोरोना काल मे रोगियों की बढ़ती जनसंख्या तथा अस्पतालो की साफसफाई को ध्यान मे रखकर यह बात स्पष्ट और भी है की स्वच्छता की हमारे जीवन मे कितनी जरूरी है।

" देखो जहाँ है सफाई,
वहा है, पढ़ाई ! "

स्वच्छता के प्रति सभी नागरीक को जागरूक बनाए रखा करे।

" स्वच्छता भारत अभियान कुड़े का प्रबन्धन "